शोध मंथन Vol. XI No.IV Oct.-Dec. 2020 ISSN: (P) 0976-5255 (e) 2454-339X
Impact Factor 7.760 (SJIF)

हरियाणा राज्य में ग्रामीण–नगरीय स्त्री–पुरूष अनुपात में भिन्नता का स्थानिक एवं कालिक विश्लेषण

अल्का शर्मा
शोध छात्रा, भूगोल विभाग
दी0द0उ0गो0वि0, गोरखपुर
ईमेलः alka.sh1692@gmail.com

प्रो0 नूतन त्यागी
आचार्य, भूगोल विभाग

सारांश

जनसंख्या की सामाजिक–आर्थिक संरचना के अध्ययन से हमें उस क्षेत्र की जनसंख्या सम्बन्धी सभी विशेषताओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त हो जाती है। जनसंख्या की सामाजिक संरचना के अन्तर्गत आयु संरचना, वैवाहिक स्थिति, स्त्री–पुरूश अनुपात, साक्षरता इत्यादि को सम्मिलित किया जाता है। किसी भी देश की जनसंख्या की संरचना, स्त्री–पुरूष अनुपात से प्रभावित होती है। स्त्री–पुरूष अनुपात से तात्पर्य स्त्रियों तथा पुरूषों के पारस्परिक अनुपात से है। यह अनुपात प्रादेशिक विश्लेषण के लिए एक उपयोगी साधन है तथा वर्तमान सामाजिक –आर्थिक दशाओं का एक महत्वपूर्ण सूचक भी होता है। इसका प्रभाव जनसंख्या वृद्धि, व्यवसायिक संरचना तथा वैवाहिक स्थिति पर पड़ता है। स्त्री–पुरूष अनुपात किसी भी क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति का अनुमान लगाने में सर्वधिक सहायक तत्व है। पुरूषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या का कम होना, स्त्रियों के निम्न सामाजिक–आर्थिक जीवन स्तर का घोतक है। ग्रामीण एवं नगरीय जनंसख्या किसी क्षेत्र की जनसंख्या के दो महत्वपूर्ण वर्ग है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में अनेक आधारों पर भिन्नताएं पाई जाती है। जैसे–जनसंख्या आकार, जनसंख्या धनत्व, व्यावसायिक संरचना, आर्थिक क्रियाकलाप आदि। ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय क्षेत्रों की तुलना में अधिक स्त्री–पुरूश अनुपात पाया जाता है। जनगणना 2011 के अनुसार भारत में स्त्री–पुरूष अनुपात 943 स्त्रियां प्रति हजार पुरूष है, जो 2011 में 933 की तुलना में 10 अंक अधिक है। जनगणना 2011 के अनुसार सबसे कम स्त्री–पुरूष अनुपात हरियाणा राज्य (879) तथा सर्वाधिक स्त्री–पुरूष अनुपात केरल राज्य (1084) में पाया गया है।

मुख्य शब्द–*सामाजिक–आर्थिक संरचना, जनसंख्या की संरचना, स्त्री–पुरूष अनुपात, ग्रामीण, नगरीय*

प्रस्तावना

सामाजिक संरचना में स्त्री व पुरूष दो प्रमुख वर्ग हैं। इस संरचना के निर्माण में इन दोनों ही वर्गों की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। स्त्री–पुरूष अनुपात से तात्पर्य स्त्रियों तथा पुरूषों के पारस्परिक अनुपात से है। स्त्री–पुरूष अनुपात पूर्णतः एक जैविक तथ्य है। इसका प्रभाव

जनसंख्या वृद्धि, व्यवसायिक संरचना तथा वैवाहिक स्थिति पर पड़ता है। स्त्री–पुरूष अनुपात का प्रभाव अन्य जनांकिकीय तत्वों जैसे जनसंख्या वृद्धि, विवाह दर तथा व्यवसायिक संरचना पर भी माना जाता है। स्त्री –पुरूष अनुपात किसी भी क्षेत्र में महिलाओं की स्थिति का अनुमान लगाने में सर्वाधिक सहायक तत्व है। पुरूषों की तुलना में स्त्रियों की संख्या का कम होना, स्त्रियों के निम्न सामाजिक–आर्थिक जीवन स्तर का घोतक है। ग्रामीण एवं नगरीय जनंसख्या किसी क्षेत्र की जनसंख्या के दो महत्वपूर्ण वर्ग है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में अनेक आधारों पर भिन्नताएं पाई जाती है। जैसे–जनसंख्या आकार, जनसंख्या धनत्व, व्यावसायिक संरचना, आर्थिक क्रियाकलाप आदि। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की जनांकिकीय विशेषताओं में भिन्नता पाई जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय क्षेत्रों की तुलना में अधिक स्त्री–पुरूष अनुपात पाया जाता है। जनगणना 2011 के अनुसार सबसे कम स्त्री–पुरूष अनुपात हरियाणा राज्य (879) तथा सर्वाधिक स्त्री–पुरूष अनुपात केरल राज्य (1084) में पाया गया है।

आंकडा स्रोत एंव शोघ प्रविधि

शोध प्रपत्र में प्रस्तुत आंकड़ों का संकलन द्वितीयक स्रोतों से किया गया है तथा प्राप्त आंकड़ों को क्रमबद्ध व वर्गीकृत करने के पश्चात् उनका सारणीयन किया गया है। विभिन्न सांख्यिकी विधियों का प्रयोग कर आरेखों तथा मानचित्रों द्वारा आंकड़ों व सूचनाओं का प्रदर्शन एवं विश्लेषण किया गया है।

उद्देश्यः

- हरियाणा में ग्रामीण–नगरीय स्त्री–पुरूष अनुपात के कालिक प्रतिरूप का अध्ययन करना।
- ग्रामीण–नगरीय स्त्री–पुरूष अनुपात के क्षेत्रीय प्रतिरूप का अध्ययन करना।
- ग्रामीण–नगरीय स्त्री–पुरूष अनुपात में पाई जाने वाली विषमताओं के कारण एवं प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन क्षेत्र

हरियाणा भारत के वृहत् मैदान के उत्तर पश्चिम में स्थित पंजाब मैदान का एक उपखण्ड है जिसे दक्षिण पंजाब मैदान के नाम से संबोधित किया जाता है (Jauhari,1971)। हरियाणा राज्य की सीमाएं उत्तर में हिमांचल प्रदेश, दक्षिण एवं पश्चिम दिशा में राजस्थान से जुड़ी हुई हैं। यह वृहत मैदान के उत्तर पश्चिम भाग का एक उपखण्ड है। इसका अक्षांशीय विस्तार $27^0$39′–$30^0$55′ उत्तरी अक्षांश तथा देशान्तरीय विस्तार $74^0$27′–$77^0$36′ पूर्वी देशान्तर है। इसका क्षेत्रफल 44,212 वर्ग किलोमीटर है। हरियाणा, देश का 21वां सबसे बड़ा राज्य है तथा यहां देश की 2. 9 प्रतिशत जनसंख्या पाई जाती है। 2011 की जनगणना के अनुसार यहां की जनसंख्या 2.54 करोड़ है तथा जनसंख्या घनत्व 573 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है।

हरियाणा राज्य में स्त्री पुरूष अनुपात का कालिक विश्लेषण

हरियाणा राज्य में जनगणना 1971 से 2011 के आंकड़ों का अध्ययन करने से स्पष्ट हो जाता है कि राज्य में ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्री–पुरूष अनुपात नगरीय क्षेत्रों की तुलना में अधिक पाया जाता है। 1971 की जनगणना में हरियाणा का स्त्री–पुरूष अनुपात 867 स्त्रियां प्रति हजार

पुरूष था। इसी अवधि में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में प्रति हजार पुरूषों पर स्त्रियों की संख्या 869 तथा 852 क्रमशः थी। 1991 में ग्रामीण क्षेत्रों में स्त्री–पुरूष अनुपात (863 स्त्रियां प्रति हजार पुरूष) नगरीय क्षेत्र (868) की तुलना में कम हो गया। 2001 में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों में स्त्री–पुरूष अनुपात 866 तथा 848 क्रमशः था जो 2011 में बढ़कर क्रमशः 881 तथा 873 स्त्रियां प्रति हजार पुरूष हो गया।

तालिका 1 – हरियाणा
स्त्री–पुरूष अनुपात (1961–2011)

वर्ष	हरियाणा	ग्रामीण स्त्री–पुरूष अनुपात	नगरीय स्त्री–पुरूष अनुपात
1961	868	874	842
1971	867	870	853
1981	870	876	849
1991	865	864	868
2001	861	866	847
2011	879	882	873

स्रोत– भारतीय जनगणना, 2011

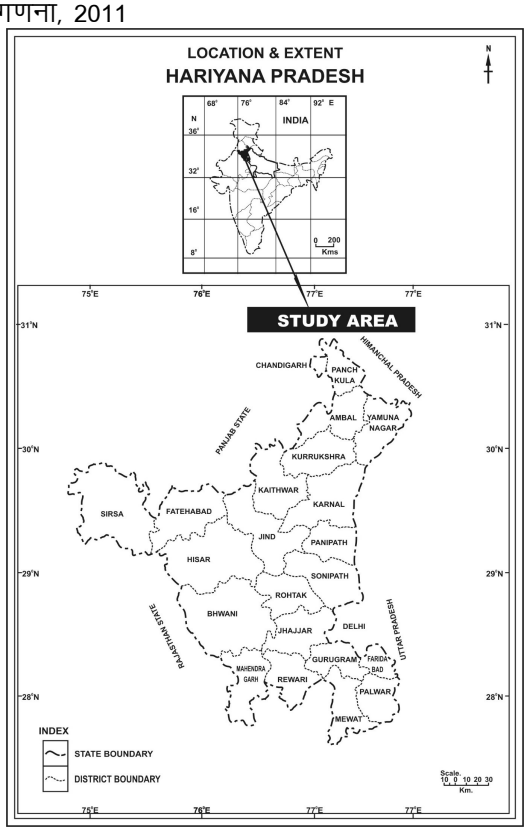

तालिका 1 से स्पष्ट है कि जनगणना 1961 से 2011 के बीच वर्ष 1991 को छोड़कर नगरीय क्षेत्रों में सदैव स्त्री–पुरूष अनुपात ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कम रहा है। वर्ष 2011 में ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय क्षेत्रों की तुलना में स्त्री–पुरूष अनुपात 9 अंक अधिक है जिसका मुख्य कारण अन्य राज्यों व ग्रामीण क्षेत्रों से रोजगार के लिए पुरूषों का आप्रवास है।

हरियाणा राज्य में ग्रामीण– नगरीय स्त्री – पुरूष अनुपात का स्थानिक विश्लेषण

हरियाणा राज्य में 2011 में जनपद अनुसार स्त्री–पुरूष अनुपात का अवलोकन करने से स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक स्त्री–पुरूष अनुपात मेवात 907 जनपद में तथा न्यूनतम स्त्री पुरूष अनुपात गुरूग्राम एवं सोनीपत जनपद 853 पाया गया है। हरियाणा राज्य में जनपद अनुसार स्त्री–पुरूष अनुपात का विवरण निम्न प्रकार से हैः–

तालिका 2 –हरियाणा राज्य में ग्रामीण–नगरीय स्त्री–पुरूष अनुपात

जिला	स्त्री–पुरूष अनुपात	ग्रामीण स्त्री–पुरूष अनुपात	नगरीय स्त्री–पुरूष अनुपात
अंबाला	882	891	875
पंचकूला	870	862	880
यमुनानगर	877	881	870
कुरूक्षेत्र	889	898	862
कैथल	880	879	887
करनाल	886	885	890
पानीपत	861	860	867
सोनीपत	853	849	869
रोहतक	868	852	886
झज्जर	861	861	865
फरीदाबाद	871	872	873
पलवल	879	879	883
गुरूग्राम	853	877	843
मेवात	906	907	907
रेवाड़ी	898	907	873
महेन्द्रगढ़	894	895	889
भिवानी	884	886	885
जिंद	870	868	880
हिसार	871	877	860
फतेहाबाद	903	902	899
सिरसा	896	898	895
कुल 2011	879	882	873
कुल 2001	861	866	847

स्रोत– भारतीय जनगणना, 2011

तालिका 3 हरियाणा : स्त्री पुरूष अनुपात (स्त्रियां/हजार पुरूष) 2011

क्र. स.	स्त्री पुरूष अनुपात	संवर्ग	सम्मिलित जनपद
1	>896	अति उच्च स्त्री पुरूष अनुपात	मेवात, रेवाड़ी, सिरसा, फतेहाबाद
2	884–896	उच्च स्त्री पुरूष अनुपात	भिवानी, महेन्द्रगढ़, कुरूक्षेत्र, करनाल
3	872–884	मध्यम स्त्री पुरूष अनुपात	पलवल, यमुनानगर, अम्बाला, कैथल
4	860–872	न्यून स्त्री पुरूष अनुपात	पानीपत, जींद, हिसार, रोहतक, झज्जर, पंचकूला फरीदाबाद,
5	<860	अति न्यून स्त्री पुरूष अनुपात	गुरूग्राम, सोनीपत

ग्रामीण–नगरीय क्षेत्रों में स्त्री–पुरूष अनुपात का स्थानिक विश्लेषण

जनगणना 2011 के स्त्री–पुरूष अनुपात के आंकड़ों का अध्ययन करने से स्पष्ट होता है कि जनपद अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वाधिक स्त्री–पुरूष अनुपात मेवात तथा रेवाड़ी जनपद (907 स्त्रियां/800 पुरूष) में पाया गया है तथा न्यूनतम स्त्री–पुरूष अनुपात सोनीपत के ग्रामीण क्षेत्रों में (849) पाया गया है तथा नगरीय क्षेत्र में सर्वाधिक स्त्री–पुरूष अनुपात मेवात जनपद (907 स्त्रियां प्रति हजार पुरूष) तथा न्यूनतम स्त्री–पुरूष अनुपात गुरूग्राम जनपद में (843) पाया गया है।

तालिका 4 हरियाणा : स्त्री पुरूष अनुपात (स्त्रियां/हजार पुरूष) 2011– ग्रामीण

क्र.स.	स्त्री पुरूष अनुपात	संवर्ग	सम्मिलित जनपद
1	>900	अति उच्च स्त्री पुरूष अनुपात	मेवात, रेवाड़ी, फतेहाबाद
2	885–900	उच्च स्त्री पुरूष अनुपात	अम्बाला, कुरूक्षेत्र, करनाल, भिवानी, सिरसा, महेन्द्रगढ़
3	870–885	मध्यम स्त्री पुरूष अनुपात	यमुनानगर, कैथल, फरीदाबाद, पलवल, गुरूग्राम, हिसार
4	855–870	न्यून स्त्री पुरूष अनुपात	पानीपत, झज्जर, पंचकुला, जींद
5	<855	अति न्यून स्त्री पुरूष अनुपात	सोनीपत, रोहतक

तालिका 5 हरियाणा : स्त्री पुरूष अनुपात (स्त्रियां/हजार पुरूष) 2011– नगरीय

क्र.स.	स्त्री पुरूष अनुपात	संवर्ग	सम्मिलित जनपद
1	>900	अति उच्च स्त्री पुरूष अनुपात	म्वात
2	885–900	उच्च स्त्री पुरूष अनुपात	कैथल, करनाल, फतेहाबाद, सिरसा, भिवानी, रोहतक, महेन्द्रगढ़
3	870–885	मध्यम स्त्री पुरूष अनुपात	पंचकुला, अम्बाला, यमुनानगर, जींद, रेवाड़ी, फरीदाबाद, पलवल
4	855–870	न्यून स्त्री पुरूष अनुपात	पानीपत, सोनीपत, हिसार, झज्जर, कुरूक्षेत्र
5	<855	अति न्यून स्त्री पुरूष अनुपात	गुरूग्राम

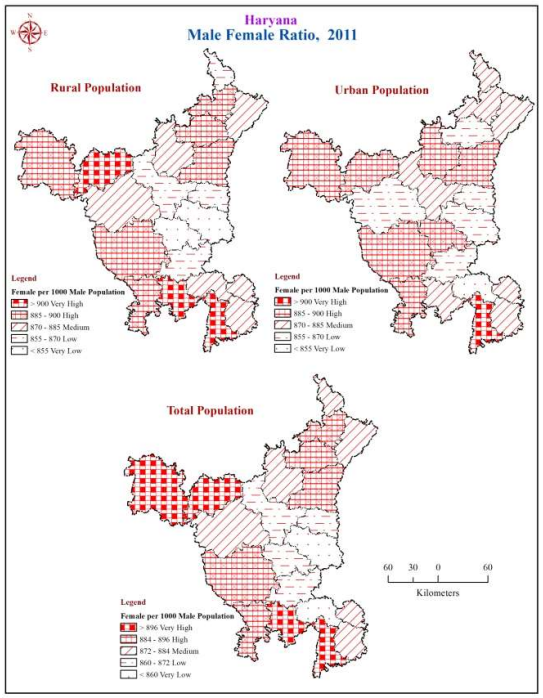

ग्रामीण नगरीय क्षेत्रों में स्त्री–पुरूष अनुपात में भिन्नता का कारण

- लिंग चयनात्मक प्रवास– रोजगार के अधिक अवसर के कारण रोजगार की तलाश मे पुरूषों का नगरीय क्षेत्रों में प्रवास है।
- नगरीय क्षेत्रों में सामाजिक – आर्थिक विकास
- परिवार का आकार एवं पुत्र को वरीयता देना
- नगरीय क्षेत्रों में तकनीकी तथा स्वास्थ सेवा जैसे लिंग परीक्षण, भ्रुण हत्या आदि मे वृद्धि

निम्न स्त्री–पुरूष अनुपात का प्रभाव

- निम्न स्त्री–पुरूष अनुपात के कारण महिलाओं एवं पुरूषों की संख्या में असंतुलन उत्पन्न हो जायेगा।
- महिलाओं के प्रति अपराध में वृद्धि।

निष्कर्ष

राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में नगरीय क्षेत्र की तुलना में अधिक स्त्री–पुरूष अनुपात पाया गया है। सर्वाधिक स्त्री–पुरूष अनुपात मेवात जनपद तथा न्यूनतम स्त्री–पुरूष अनुपात गुरूग्राम तथा सोनीपत जनपद में पाया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वाधिक स्त्री–पुरूष अनुपात मेवात जनपद एवं न्यूनतम सोनीपत जनपद में पाया गया है। नगरीय क्षेत्र में सर्वाधिक स्त्री–पुरूष

अनुपात मेवात जनपद एवं न्यूनतम गुरूग्राम जनपद में पाया गया है।

सन्दर्भ ग्रंथ

1 Jauhari,A.S.,(1971)"Punjab plains in India: A Regional Geography ", Ed by Prof R.L.Singh National Grographical Society of India, Varansi, p.**115.**

2 Ali, S.M.,(1942)" Population and Settlement in Ghaggar Plain" N.G.J. p.**157-82.**

3 Statistical Abstrat of Haryana 2015-16.

4 मौर्य एस0डी0, (2012) जनसंख्या भूगोल, शारदा पुस्तक भवन प्रकाशन, इलाहाबाद

5 जनगणना पुस्तिका 2011.